



बाप ने बेटी को रखैल बना कर चोदा-3

“बाप ने झुक कर बेटी की चूत को धीरे से चूम लिया और दरार को नीचे से ऊपर तक चाटा, कई कई बार चाटा और समूची चूत को मुंह में भर लिया और झिंझोड़ डाला। ...”

Story By: (rakesh111)

Posted: Thursday, June 27th, 2019

Categories: [बाप बेटी की चुदाई](#)

Online version: [बाप ने बेटी को रखैल बना कर चोदा-3](#)

बाप ने बेटी को रखैल बना कर चोदा-3

❓ यह कहानी सुनें

परीशा भी एक मंझे हुए खिलाड़ी की तरह मुकुल राय के पानी की आखिरी बून्द भी पी लेना चाहती थी.

जब मुकुल राय पूरी तरह झड़कर शांत हो गया तो परीशा ने जीभ की नोक से सुपारे के छेद से निकल रही वीर्य को भी चाट लिया।

मुकुल राय लगातार सिसकारता ही जा रहा था।

लंड पूरा साफ़ होने के बाद उसने सुपारे को अपने होंठों में एक बार फिर से भरकर चूसा और फिर अपने होंठ उसपे दबाकर एक ज़ोरदार चुम्बन लिया।

कुछ देर आराम करने के बाद मुकुल राय ने परीशा को बेड पर सुला दिया और उसकी छोटी सी कुंवारी चूत को अपनी जीभ से चाटने लगा। कुछ ही देर में परीशा उत्तेजना से तड़पने लगी।

मुकुल राय झुक कर उसकी चूत को धीरे से चूम लिया और दरार को नीचे से ऊपर तक चाटा, कई कई बार चाटा और समूची चूत को मुंह में भर लिया और झिंझोड़ डाला। आनन्द के मारे परीशा के मुंह से किलकारी निकल गई. फिर ऊपर हाथ ले जाकर उसके दोनों मम्मों पकड़ लिए और चूत का दाना, वो छोटा सा भागंकुर अपनी जीभ से टटोलने लगा और इसे अपनी मुंह में लेकर चूसा और चूत की गहराई में जीभ घुसा कर प्यार से, बहुत ही निष्ठा पूर्वक उसकी शर्बती चूत चाटने लगा।

वो बेचारी इतना सब कैसे सहन कर पाती, बदले में वो अपनी चूत उठा उठा कर अपने पापा

के मुंह पे मारने लगी ।

अब मुकुल राय अपनी नाक चूत की गहराई में रगड़ता हुआ चाटने लगा । मुश्किल से 5 ही मिनट बीते होंगे कि वो भलभला कर झड़ गई । “हाय पापा...” वो इतना ही बोल पाई और अपनी जांघें ताकत से अपने पापा के सिर पर लपेट दीं और झड़ने लगी ।

चूत रस का नमकीन स्वाद मुकुल राय के मुंह में आ गया । करीब दो तीन मिनट तक वो यूँ ही अपने पापा के सिर को अपनी चूत पर जांघों से दबोचे रही फिर धीरे से पैर खोल दिए और चित लेट के गहरी गहरी साँस लेने लगी ।

मुकुल राय उसकी जांघ पर सर रखे हुए लेटा रहा ।

“प्लीज पापा, मेरे पास आओ !” उसकी आवाज बदली बदली सी थी जैसे किसी कुएं के भीतर से बुला रही हो.

मुकुल राय ऊपर खिसक कर उसके पहलू में लेट गया और उसे अपने सीने से लगा लिया । वो मासूम अबोध किशोरी सी अपने पापा से चिपक गई और अपनी अंगुली से उनकी छाती पर जैसे कुछ लिखती रही ।

“क्या लिखा मेरे सीने पर ?” मुकुल राय उसका सिर प्यार से सहलाते हुए पूछा ।

“ऊँ हूँ !”

“बता ना ?”

“म्मम्म कुछ नहीं ...” वो बोली और मुकुल राय को अपनी बांहों में कस लिया ।

“कैसा लगा ये सब ?” मुकुल राय उसे चूमते हुए पूछा.

परीशा- बहुत अच्छा ... बहुत ही प्यारा प्यारा । जब आप मेरी चूत चाट रहे थे तो जैसे मेरे बाँडी में फूल ही फूल खिल गये थे, सारे बदन में रंगीन फुलझड़ियाँ सी झर रहीं थीं । मैंने

सोचा भी नहीं था कि ये सब इतना मस्त मस्त लगेगा !

“और अब कैसा लग रहा है ?” मुकुल राय ने पूछा ।

“लग रहा है मैं बहुत हल्की फुल्की सी हो गई हूँ । मेरे भीतर से कुछ बह के निकल गया है । जो मुझे हरदम बेचैन किये रहता था.” परीशा ने बताया ।

कुछ ही देर बाद मुकुल राय परीशा की छोटी छोटी टाइट चूचियों को पूरा मुँह में भरकर चूसने लगा । उसके छोटे छोटे निप्पल को दाँतों से काटने लगा । 5 मिनट में ही मुकुल राय ने दोनों चूचियों को काट कर चुस कर लाल कर दिया ।

अब परीशा भी पूरी गर्म होकर सिसियाने लगी ।

दोनों पूरी तरह से गर्म हो चुके थे, मुकुल राय अपने लंड को परीशा की छोटी सी कुंवारी चूत पर रगड़ने लगा, परीशा अपनी गांड ऊपर उठाकर लंड को जल्द से जल्द अंदर लेना चाहती है लेकिन मुकुल राय परीशा को और गर्म कर देना चाहता है ताकि उसको कम से कम दर्द हो ।

तब परीशा ने मुकुल राय के लंड को पकड़ कर अपनी चूत के छेद पर दबाया, तो मुकुल राय के लंड का सुपारा उसकी चूत की फाँकों को फैलाता हुआ छेद पर जा लगा. परीशा की कुंवारी चूत की फाँकें मुकुल राय के लंड के सुपारे के चारो तरफ फैलते हुए कस गई ।

अपनी चूत के छेद पर अपने पापा के लंड का गर्म सुपारा महसूस करते ही परीशा के बदन में मानो हज़ारो वॉट की बिजली कौंध गई हो, परीशा का पूरा बदन थरथरा गया.

परीशा की चूत उसकी चूत से निकल रहे कामरस से एकदम गीली हो चुकी थी. परीशा ने अपनी आँखों को बड़ी मुश्किल से खोल कर मुकुल राय की तरफ देखा और फिर काँपती आवाज़ में बोली- पापा धीरे-धीरे ही अंदर करना, मैं ये सब पहली बार कर रही हूँ, इसलिए

मुझे दर्द होगा, पर आप चिंता मत करना, चाहे मुझे कितना भी दर्द हो, आप अपना लंड मेरी कुंवारी चूत में पूरा घुसाना।

अब मुकुल राय ने धीरे धीरे अपने लंड के सुपारे को परीशा की चूत के छेद पर दोबारा दबाना शुरू किया, जैसे ही उसके लंड का सुपारा परीशा की गीली चूत के छेद में थोड़ा सा घुसा, परीशा एकदम सिसक उठी, मुकुल राय के लंड का सुपारा परीशा की चूत की सील पर जाकर अटक गया, मुकुल राय भी इस रुकावट को साफ महसूस कर पा रहा था.

परीशा की चूत की झिल्ली, मुकुल राय के लंड के सुपारे से बुरी तरह अंदर को खिंच गई जिसके कारण परीशा के बदन में दर्द की एक तेज लहर दौड़ गई. उसके चेहरे पर उसके दर्द का साफ पता चल रहा था।

मुकुल राय- क्या हुआ बेटी? ज्यादा दर्द हो रहा है क्या?

परीशा- आहह हां पापा ... दर्द हो रहा है.

मुकुल राय- बाहर निकाल लूँ?

परीशा- नहीं पापा बाहर मत निकालना ... यह दर्द तो हर लड़की को जिंदगी में एक ना एक बार तो सहन करना ही पड़ता है. पापा आप बस जोर से धक्का मारो और एक ही बार में मेरी चूत फाड़ दो।

मुकुल राय- अगर तुम्हें दर्द हुआ तो?

परीशा- मैं सह लूँगी ... आप मारो न धक्का।

मुकुल राय ने अपनी पूरी ताकत अपनी गान्ड में जमा की और अपने आप को अगला शॉट मारने के लिए तैयार करने लगा. परीशा ने अपने दोनों हाथों से मुकुल राय के बाजुओं को कस के पकड़ लिया, और अपनी टाँगों को पूरा फैला लिया.

परीशा – पापा...पापा फाड़ दो अब.

मुकुल राय ने कुछ पल के लिए परीशा के चेहरे की तरफ देखा, जो अपनी आँखें बंद किए हुए लेटी हुई थी, उसने अपने होंठों को दांतों में दबा रखा था। जैसे वो अपने आप को उस दर्द के लिए तैयार कर रही हो. उसके माथे पर पसीने की बूंदें उभर आई थी. मुकुल राय ने एक गहरी साँस ली और फिर अपनी पूरी ताकत के साथ एक ज़ोरदार धक्का मारा।

मुकुल राय के लंड का सुपारा परीशा की चूत की झिल्ली को फाड़ता हुआ अंदर घुस गया. मुकुल राय का आधे से ज्यादा लंड एक ही बार में परीशा की कुंवारी चूत के अंदर जा चुका था.

“हाय मम्मी ... मर गईं हाई ए अहह पापाआआआ ... बहुत दर्द हो रहा है.” परीशा छटपटाती हुई अपने सर को इधर उधर पटक रही थी, उसे अपनी चूत में दर्द की तेज लहर दौड़ती हुई महसूस हो रही थी.

परीशा के इस तरह से दर्द के कारण बिलबिलाने से मुकुल राय भी घबरा गया, उसने परीशा की ओर देखा, उसकी बंद आँखों से आँसू बह कर उसके गालों पर आ रहे थे।

“बेटी मैं बाहर निकाल लेता हूँ.” मुकुल राय ने परीशा की ओर देखते हुए कहा.

परीशा अपनी आँखों को खोलते हुए- नहीं नहीं पापा, बाहर मत निकालना ... पूरा अंदर कर दो ... मेरी फिकर मत करो.

मुकुल राय- पर बेटी ...

परीशा- मैंने कहा ना मेरी परवाह मत करो ... आप अपना लंड पूरा मेरी चूत में पूरा डाल दो.

मुकुल राय ने अपने लंड की तरफ देखा, जो परीशा की टाइट चूत के छेद में घुस कर फँसा हुआ था, और फिर उसने एक बार फिर से पूरी ताकत के साथ झटका मारा, इस बार उसके

लंड का सुपारा उसकी चूत की दीवारों को फैलाता हुआ पूरा का पूरा अंदर जा घुसा।
परीशा- उन्ह्ह्ह ... हम्फ़ ... ओहह हहहह ... यस ओहह ... हहह ... यस! ओहह
उम्ह्ह पापाऽऽ ... पापाऽऽ ... योर डिक पापा ... स्स्साऽऽ सो बिग ... पापा!

परीशा ने दर्द से छटपटाते हुए अपने हाथों से मुकुल राय के बाजुओं को इतनी कस के पकड़ा कि उसके नाखून मुकुल राय के बाजुओं में गड़ने लगे. मुकुल राय को अपने लंड के इर्द गिर्द परीशा की टाइट चूत की दीवारें कसी हुई महसूस हो रही थी, उसके लंड में तेज गुदगुदी सी होने लगी।

दोनों थोड़ी देर वैसे ही लेटे रहे. मुकुल राय अब धक्के लगाने को उतावला हो रहा था पर परीशा ने उसकी कमर में अपनी टाँगों को लपेट रखा था, जिसकी वजह से मुकुल राय हिल भी नहीं पा रहा था.

कुछ लम्हे दोनों यूँ ही लेटे रहे.

फिर धीरे-धीरे परीशा का दर्द कुछ कम होने लगा और उसे अपनी चूत में अजीब सी सरसराहट होने लगी। अब उसे मज़ा आने लगा था और उसने अपनी टाँगों को जो कि उसने अपने पापा की कमर पर कस रखी थी, को ढीला कर दिया.

जैसे ही मुकुल राय की कमर पर परीशा की टाँगों की पकड़ ढीली हुई, मुकुल राय ने अपना आधे से ज़्यादा लंड एक ही बार में परीशा की चूत से बाहर खींचा और फिर से एक झटके के साथ परीशा की चूत में पेल दिया।

धक्का इतना जबरदस्त था कि परीशा का पूरा बदन हिल गया।

परीशा- आह शीईइ पापा उंह धीरे उन्ह्ह्ह ... हम्फ़ ... उम्ह्ह... अहह... हय... याह...
यस ओह यस! ओह्ह उम्ह पापाऽऽ ... पापाऽऽ!

उसने फिर से अपने पैरों को मुकुल राय के चूतड़ों के ऊपर रख कर उसे अपनी तरफ दबा

लिया।

जब उसे अपनी चूत की दीवार पर मुकुल राय के लंड के सुपारे की रगड़ महसूस हुई तो वो एकदम से मस्त हो गई, फिर थोड़ी देर रुकने के बाद परीशा ने मुकुल राय से धीरे से कहा- पापा अब अपने लंड को धीरे से बाहर निकालो ... मुझे कुछ देखना है.

यह कहते हुए उसने फिर से अपने पैरो की पकड़ ढीली की और मुकुल राय ने घुटनों के बल बैठते हुए धीरे-2 अपने लंड को बाहर निकालना शुरू किया.

फिर से वही मज्जे की लहर परीशा के रोम-रोम में दौड़ गई. उसे मुकुल राय के लंड का सुपारा अपनी चूत के दीवारों पर रगड़ खाता हुआ साफ महसूस हो रहा था.

“ओह्ह पापा ... मेरी चूत में ... आह आह बहुत मज्जा आ रहा है ... ओह्ह उम्ह्ह.” परीशा बोली।

मुकुल राय ने जैसे ही अपना लंड परीशा की चूत से बाहर निकाला तो उसकी आँखें फटी की फटी रह गई, उसका लंड खून और परीशा के चूत से निकल रहे कामरस से सना हुआ था।

परीशा ने अपने पास रखे एक कपड़े को अपनी चूत पर दबा दिया ताकि उसमें से खून निकल कर बेडशीट पर ना गिरे. फिर उसने अपनी चूत को उस कपड़े से रगड़ कर साफ किया और फिर मुकुल राय की तरफ देखा, जो हैरत से उसकी तरफ देख रहा था।

परीशा- क्या हुआ पापा आप ऐसे क्या देख रहे हो ?

मुकुल राय- बेटी, तुम तो काफी समझदार हो।

“हाँ जानती हूँ.” परीशा खिलखिलाकर बोली।

फिर परीशा उठ कर बैठी और मुकुल राय के लंड को हाथ में लेकर उसे कपड़े से अच्छे से

साफ किया, फिर उस कपड़े को साइड में रखते हुए, बेड पर लेट गई, परीशा ने अपनी बांहों को खोल कर मुकुल राय को आने का इशारा किया।

मुकुल राय परीशा ऊपर झुक गया, परीशा ने उसे अपनी बांहों में कस लिया और उसके आँखों में झाँकते हुए बोली- आई लव यू पापा !

और फिर दोनों के होंठ फिर से आपस में मिल गए और दोनों एक दूसरे के होंठों को चूसने लगे। फिर से वही उम्हूह आहह उन्हूह की आवाजें उनके मुँह से आने लगी।

मुकुल राय का लंड अब उसकी चूत की फाँकों पर रगड़ खा रहा था. मुकुल राय भी मस्ती में उसके होंठों को चूसता हुआ उसके निप्पलों को अपनी उंगलियों से भींचते हुए उसकी चूचियों को दबा रहा था. परीशा की चूत में खलबली सी होने लगी, वो नीचे से अपनी गान्ड को हिलाते हुए अपने पापा के लंड को अपनी चूत के छेद पर सेट करने की कोशिश कर रही थी।

थोड़ी देर के बाद अचानक से मुकुल राय के लंड का सुपारा परीशा की चूत के छेद पर अपने आप जा लगा, परीशा का पूरा बदन एकदम से थरथरा गया, उसने अपने होंठों को मुकुल राय के होंठों से अलग किया और फिर मुकुल राय की आँखों में देखते हुए मुस्कराने लगी, फिर उसने अपने आँखें शरमा कर बंद कर ली, उसके होंठों पर मुस्कान फ़ैली हुई थी.

मुकुल राय ने भी बिना देर किए, धीरे-2 अपने लंड के सुपारे को परीशा की चूत के छेद में पेलना शुरू कर दिया.

“उंह पापा ... सीईईईई अहह ... बहुत मजा आ रहा है.” परीशा बोली।

मुकुल के लंड का सुपारा परीशा की चूत के छेद और दीवारो को फ़ैलाकर रगड़ खाता हुआ अंदर बढ़ने लगा, परीशा के बदन में मस्ती की लहरे उमड़ रही थी, उसका पूरा बदन उत्तेजना के कारण काँप रहा था, उसकी चूत की दीवारे मुकुल राय के लंड को अपने अंदर

कस कर निचोड़ रही थी।

धीरे-2 मुकुल राय का पूरा लंड परीशा की चूत में समा गया, परीशा ने सिसकते हुए मुकुल राय को अपनी बांहों में कस लिया और उसकी पीठ को अपने हाथों से सहलाने लगी।

“आह पापा ... और पेलो उंह आ ... सीईईई आह पापा मुझे बहुत मज़ा आ रहा है।”

मुकुल राय ने परीशा के मासूम चेहरे को अपनी तरफ घुमाया और फिर अपने होंठों को उसके पतले होंठों पर रख दिया, परीशा ने अपने होंठों को खोल दिया।

मुकुल राय ने थोड़ी देर परीशा के होंठों को चूसा और फिर अपने होंठों को हटाते हुए, उसकी जाँघों के बीच में घुटनों के बल बैठते हुए अपनी पोज़िशन सेट की और अपने लंड को धीरे-2 आगे पीछे करने लगा।

मुकुल राय के लंड के सुपारे को परीशा अपनी चूत की दीवारों पर महसूस करके एकदम मस्त हो गई. वो अपनी आँखें बंद किए हुए अपनी पहली चुदाई का मज़ा लेने लगी- अह्हह पापा हाईए ... मेरी चूत ... आह मारो ... और ज़ोर से मारो ... आह फाड़ दो अह्हह आह !

धीरे-2 मुकुल राय अपने धक्कों की रफ्तार को बढ़ाने लगा, पूरे रूम में परीशा की सिसकारियों और बेड के हिलने से चर-2 की आवाज़ गूंजने लगी. परीशा पूरी तरह मस्त हो चुकी थी, उसकी चूत उसके काम रस से भीग चुकी थी जिससे बाप मुकुल का लंड चिकना होकर बेटी की चूत के अंदर बाहर होने लगा था. परीशा भी अपनी गान्ड को धीरे-2 ऊपर की ओर उछाल कर चुदवा रही थी.

“हाई ... ओईए ... अहह ... मेरी चूत अह्हहह ... पापा बहुत मज़ा आ रहा है. आह चोदो मुझे ... अह्हहह और तेज करो ... मैं झड़ने वाली हूँ ... आह उहह उंह पापा ममैं गईए

अहह.” परीशा धीरे धीरे आँहें भर रही थी।

मुकुल राय के जबरदस्त धक्कों ने कुछ ही मिनट में परीशा की चूत को पानी पानी कर दिया था. उसका पूरा बदन रह रह कर झटके खा रहा था। मुकुल राय अभी भी लगातार अपने लंड को बाहर निकाल निकाल कर परीशा की चूत में पेल रहा था.

परीशा झड़ने के बाद एकदम मस्त हो गई थी, उसकी चूत से इतना पानी निकला था कि मुकुल राय का लंड पूरा गीला हो गया था।

अब परीशा अपनी आँखें बंद किए हुए लेटी थी और लंबी लंबी साँसें ले रही थी.

कुछ देर बाद परीशा ने अपनी आँखें खोल कर मुकुल राय की तरफ देखा जो पसीने से तर बतर हो चुका था और अभी भी तेज़ी से धक्के लगा रहा था. अब रूम में सिर्फ़ बेड के चरचराने से चू चू की आवाज़ आ रही थी. जैसे जैसे मुकुल राय झटके मारता, बेड हिलता हुआ हल्की हल्की चू चू की आवाज़ कर रहा था।

परीशा बेड के हिलने की आवाज़ सुन कर शरमा गई और अपने मुँह को साइड में घुमा कर मुस्कराने लगी.

मुकुल राय अपने लंड को अंदर बाहर करते हुए- क्या हुआ ?

परीशा मुस्कराती हुई- कुछ नहीं.

मुकुल राय- फिर मेरी तरफ देखो ना !

परीशा- नहीं पापा ... मुझे शर्म आती है.

मुकुल राय ने अपने दोनों हाथों से परीशा के चेहरे को अपनी तरफ घुमाया. पर परीशा ने पहले ही अपनी आँखें बंद कर ली, उसके चेहरे पर शर्मीली मुस्कान फ़ैली हुई थी. मुकुल राय ने परीशा के होंठों को अपने होंठों में लेकर चूसते हुए अपने धक्कों की रफ़्तार बढ़ा दी

और फिर कुछ ही पलों में उसके लंड में तेज सुरसुरी हुई, उसका लंड परीशा की चूत में झटके खाने लगा और फिर वो परीशा के ऊपर निढाल हो कर गिर पड़ा.

परीशा और मुकुल राय दोनों एक साथ झड़ कर शांत हो गए।

कुछ देर बाद परीशा अपनी ब्रा पेंटी पहनकर बाथरूम चली गयी।

कुछ देर बाद पिता मुकुल ने एक बार फिर से बेटी परीशा को गर्म करके पेला जिसमें परीशा को बहुत ज्यादा मज़ा आया क्योंकि अब परीशा को दर्द नहीं हो रहा था।

कहानी जारी रहेगी. इस कहानी पर आप अपने विचार दे सकते हैं।

मेरा ईमेल है- singh.rakesh787@gmail.com

Other stories you may be interested in

बाप ने बेटी को रखैल बना कर चोदा-2

मुकुल राय ने फोन की गैलरी खोला और वो वीडियो चला दिया। वीडियो देखते ही परीशा शरमा गई- प्लीज पापा जल्दी डिलीट करो ना! मुकुल राय- अरे बेटी पूरा तो देखने दो। मैं भी तो देखूं मेरी बेटी अंदर से [...]

[Full Story >>>](#)

आंटी की चूत में बजाई घंटी

अन्तर्वासना के सभी दोस्तों को मेरा नमस्कार. मेरा नाम यश है और मैं राँची का रहने वाला हूँ और बी.ए के अंतिम वर्ष में पढ़ाई कर रहा हूँ. यह मेरी पहली कहानी है. अगर मुझसे कोई ग़लती हो जाए, तो [...]

[Full Story >>>](#)

प्रेमिका संग हसीन जिंदगी के पल-3

उसकी चूत पहले से ही बहुत पानी छोड़ रही थी और मेरा मुँह उस पर लगते ही वो और पागल हो गयी और कुछ देर चाटने के बाद वो ज़ोर से कसमसायी और अकड़ने लगी. उसका पानी छूट रहा था [...]

[Full Story >>>](#)

बाप ने बेटी को रखैल बना कर चोदा-1

आप लोगों ने मेरी पिछली कहानियों कलयुग का कमीना बाप माँ बेटी की मज़बूरी का फायदा उठाया और सर बहुत गंदे हैं को बहुत पसंद किया, इसके लिए सभी का धन्यवाद। मेरी प्रत्येक कहानी को लाखों पाठकों ने पढ़ा ; इसके [...]

[Full Story >>>](#)

गांड मरवाने का पहला अहसास

दोस्तो, मैं मोनिका मान उर्फ चुलबुली मोनी हिमाचल की रहने वाली हूँ। मेरी चूचियाँ 32 कंमर 28 कूल्हे 36 के आकार के हैं। मैं ज्यादातर जीन्स और शर्ट पहनती हूँ। मेरा रंग गोरा और लड़कों की तरह छोटे बाल रखती [...]

[Full Story >>>](#)

